This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302403**
Title of the Paper	**:**	**ब्रह्मसूत्र (Brahmasūtra)**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	**:**	**EC**
Group	**:**	**B**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. **निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :** **7x4=28**
Explain the following with the reference to the context:

(क) कोऽयमध्यासो नामेति ? उच्यते- स्मृतिरूप: परत्र पूर्वदृष्टावभास: ।

अथवा / OR

तद् ब्रह्म सर्वज्ञं सर्वशक्ति जगदुत्पत्तिस्थितिलयकारणं वेदान्तशास्त्रादेवावगम्यते । कथम्? समन्वयात् ।

(ख) ब्रह्मणो जिज्ञासा ब्रह्मजिज्ञासा । ब्रह्मण: इति कर्मणि षष्ठी, 'कर्तृकर्मणो: कृति' इति विशेषविधानात्।

अथवा / OR

अध्ययनं च स्वाध्यायसंस्कार:, 'स्वाध्यायोऽध्येतव्य:' इति स्वाध्यायस्य कर्मत्वावगमात् ।

(ग) दृश्यते तु । **अथवा/ OR** वैषम्यनैर्घृण्ये न सापेक्षत्वात्तथाहि दर्शयति ।

(घ) भोक्त्रापत्तेरविभागश्चेत्स्याल्लोकवत् । **अथवा/OR** अधिकं तु भेदनिर्देशात् ।

2. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक <u>संस्कृत</u> में हो:** **5+5+5+7=22**
Write notes on the following in which one should be in <u>Sanskrit</u>:

(क) अनिर्वचनीयख्याति **अथवा/ OR** अध्यासभेद

(ख) सगुणब्रह्म **अथवा/ OR** ध्रुवानुस्मृति

(ग) स्मृत्यनवकाश **अथवा/ OR** लीलाकैवल्य

(घ) प्रधानकारणवाद **अथवा/ OR** विज्ञानवाद

3. (क) आचार्य शंकर के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा' के स्वरूप का विवेचन कीजिए। **10x2=20**

Discuss the concept of **'**Brahmajijńāsā' according to Āchārya Śaṅkara.

अथवा/OR

ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य के अनुसार 'आरम्भणाधिकरण' का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of 'Ārambhńādhikaraṅa' according to Āchārya Śaṅkara

(ख) आचार्य रामानुज के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा कर्मज्ञानसापेक्ष है'; विवेचन कीजिए।
Āchārya Rāmānuja opines that 'Enquiry into Brahman presupposes the knowledge of Karman.' Discuss.

अथवा / OR

शांकरभाष्य एवं श्रीभाष्य के आधार पर 'पाञ्चरात्र मत' की समीक्षा कीजिए।
Critically evaluate the 'Pāńcrātra doctrine' on the basis of Śāṅkarbhāṣya and Śrībhāṣhya.